o/kZeku egkohj [kqyk fo'ofo|ky;

LukrdksÙkj mikf/k dk;ZØe

,e-,- fgUnh ¼iwokZ)Z½

vkUrfjd ewY;kadu gsrq l=h; dk;Z

प्रिय छात्र,

आपको एमए पूर्वार्द्ध के पाठ्यक्रम के विभिन्न प्रश्न पत्रों के सत्रीय कार्य भिजवाये जा रहे हैं, जिनका विवरण निम्न प्रकार है –

ikB~;Øe dksM	**iz'u&i= dk uke**
एमएचडी–02	आधुनिक हिन्दी कविता
एमएचडी–03	उपन्यास एवं कहानी
एमएचडी–04	नाटक और अन्य विधाएँ
एमएचडी–06	हिन्दी भाषा और साहित्य का इतिहास

आपके प्रश्न–पत्र में आपको दो सत्रीय कार्य करने हैं। इन्हें पूरा करके आप निर्धारित अन्तिम तिथि से पूर्व अपने क्षेत्रीय केन्द्र के निदेशक के पास स्वयं उपस्थित होकर अथवा पंजीकृत डाक से अवश्य भिजवा दें। प्रत्येक सत्रीय कार्य 50 अंकों का है। इन प्राप्तांकों को आनुपातिक रूप से 20 प्रतिशत भार देकर आपकी सत्रांत परीक्षा के अंकों में जोड़ा जायेगा। सत्रीय कार्य स्वयं की हस्तलिपि में करें। तथ्यात्मक त्रुटियों को छोड़ कर सत्रीय कार्यों का पुनर्मूल्यांकन नहीं होता है और न ही इन्हें सुधारने हेतु दुबारा स्वीकार किया जाता है। अतः पहली बार में ही सर्वश्रेष्ठ उत्तर लिखे।

ukV & जुलाई, 2007 से पूर्व पंजीकृत विद्यार्थियों के लिए भी इन सत्रीय कार्यों को करना अनिवार्य है। जुलाई 2006 एवं इससे पूर्व के विद्यार्थियों के प्राप्तांकों को आनुपातिक रूप से 1.5 (डेढ़ गुना) कर दिया जाएगा। अर्थात् इन सत्रीय कार्यों में यदि विद्यार्थी के प्राप्तांक 10 है तो जुलाई 2006 एवं पूर्व के बैच के लिए इन्हें 10 x 1.5 = 15 मान कर अंक तालिका में भरा जाएगा क्योंकि उनके लिए सत्रीय कार्य का भार 30 प्रतिशत का है।

विद्यार्थी प्रथम पृष्ठ पर निम्न सूचना अंकित करें।

LukrdksÙkj mikf/k dk;ZØe ¼--------½

,e-,- ¼iwokZ)Z@mÙkjk)Z½

l= & tqykbZ 2007

सत्रीय कार्य संख्या .... जमा करवाने का दिनांक ....

पाठ्यक्रम कोड .... पाठ्यक्रम का नाम..

छात्र का नाम .... पिता का नाम..

स्कॉलर संख्या ....

पत्र व्यवहार का पता

....

....

अध्ययन केन्द्र का नाम ....

क्षेत्रीय केन्द्र का नाम ....

o/kZeku egkohj [kqyk fo'ofo|ky;]dksVk

,e- ,- fgUnh ¼iwokZ)Z½

vkUrfjd eY;kadu@l=h; dk;Z

MHD - 02, 03, 04, 06

l=% 2007&2008

o/kZeku egkohj [kqyk fo”ofo|ky;] dksVk

रावतभाटा रोड़ कोटा (राजस्थान) 324010

o/kZeku egkohj [kqyk fo'ofo|ky;

LukrdksÙkj mikf/k dk;Øe

,e-,- fgUnh ¼mÙkjk)½

vkUrfjd eY;kdu gr| l=h; dk;!

प्रिय छात्र,

आपको एमए पूर्वार्द्ध के पाठ्यक्रम के विभिन्न प्रश्न पत्रों के सत्रीय कार्य भिजवाये जा रहे हैं, जिनका विवरण निम्न प्रकार है —

ikB;Øe dkM	**i'u&i= dk uke**
एमएचडी—01	हिन्दी काव्य
एमएचडी—05	साहित्य सिद्धान्त और समालोचना
एमएचडी—07	भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा
एमएचडी—13	उपन्यास स्वरूप और विकास
एमएचडी—14	प्रेमचन्द का विशेष अध्ययन (हिन्दी उपन्यास — I)
एमएचडी—15	हिन्दी उपन्यास — II
एमएचडी—16	हिन्दी उपन्यास

आपके प्रश्न—पत्र में आपको दो सत्रीय कार्य करने हैं। इन्हें पूरा करके आप निर्धारित अन्तिम तिथि से पूर्व अपने क्षेत्रीय केन्द्र के निदेशक के पास स्वयं उपस्थित होकर अथवा पंजीकृत डाक से अवश्य भिजवा दें। प्रत्येक सत्रीय कार्य 30 अंकों का है। दो श्रेष्ठ प्रश्नों के उत्तरों के प्राप्तांक आपकी सत्रांत परीक्षा के अंकों में जोड़े जायेंगे। सत्रीय कार्य स्वयं की हस्तलिपि में करें। तथ्यात्मक त्रुटियों को छोड़ कर सत्रीय कार्यों का पुनर्मूल्यांकन नहीं होता है और न ही इन्हें सुधारने हेतु दुबारा स्वीकार किया जाता है। अतः पहली बार में ही सर्वश्रेष्ठ उत्तर लिखें।

विद्यार्थी प्रथम पृष्ठ पर निम्न सूचना अंकित करें।

LukrdksÙkj mikf/k dk;Øe ¼---------½

,e-,- ¼iok)@mÙkjk)½

l= & tqykb 2007

सत्रीय कार्य संख्या .... जमा करवाने का दिनांक ....

पाठ्यक्रम कोड .... पाठ्यक्रम का नाम..

छात्र का नाम .... पिता का नाम..

स्कॉलर संख्या ....

पत्र व्यवहार का पता

....

....

अध्ययन केन्द्र का नाम ....

क्षेत्रीय केन्द्र का नाम ....

o/keku egkohj [kqyk fo'ofo|ky;]dkVk

,e- ,- fgUnh ¼mÙkjk)½

vkUrfjd eY;kdu@l=h; dk;l

MHD - 01, 05, 07, 13 to 16

l= % 2007&2008

o/keku egkohj [kqyk fo”ofo|ky;] dkVk

रावतभाटा रोड़ कोटा (राजस्थान) 324010

o/keku egkohj [kyk fo'ofo|ky;

Lukrd mikf/k dk;Øe

vkUrfjd eY;kdu grq l=h; dk;l bl-,p-Mh-&01 l bl-,p-Mh-&06

प्रिय छात्र,

आपको ई.एच.डी.–01 से ई.एच.डी.–06 के पाठ्यक्रम के विभिन्न प्रश्न पत्रों के सत्रीय कार्य भिजवाये जा रहे हैं, जिनका विवरण निम्न प्रकार है –

ikB;Øe dkM	i'u&i= dk uke
ई.एच.डी.–01	हिन्दी गद्य
ई.एच.डी.–02	हिन्दी काव्य
ई.एच.डी.–03	हिन्दी साहित्य का इतिहास एवं साहित्य परिचय
ई.एच.डी.–04	मध्यकालीन भारतीय साहित्य, समाज एवं संस्कृति
ई.एच.डी.–05	आधुनिक भारतीय साहित्य नवजागरण एवं संस्कृति जागरण
ई.एच.डी.–06	हिन्दी भाषा का इतिहास और वर्तमान

आपके प्रश्न–पत्र में आपको दो सत्रीय कार्य करने हैं। इन्हें पूरा करके आप निर्धारित अन्तिम तिथि से पूर्व अपने क्षेत्रीय केन्द्र के निदेशक के पास स्वयं उपस्थित होकर अथवा पंजीकृत डाक से अवश्य भिजवा दें। प्रत्येक सत्रीय कार्य 30 अंकों का है। दो श्रेष्ठ प्रश्नों के उत्तरों के प्राप्तांक आपकी सत्रांत परीक्षा के अंकों में जोड़े जायेंगे। सत्रीय कार्य स्वयं की हस्तलिपि में करें। तथ्यात्मक त्रुटियों को छोड़ कर सत्रीय कार्यों का पुनर्मूल्यांकन नहीं होता है और न ही इन्हें सुधारने हेतु दुबारा स्वीकार किया जाता है। अतः पहली बार में ही सर्वश्रेष्ठ उत्तर लिखें।

विद्यार्थी प्रथम पृष्ठ पर निम्न सूचना अंकित करें।

Lukrd mikf/k dk;Øe ¼------------½
l=& tqykbZ 2007

सत्रीय कार्य संख्या .... जमा करवाने का दिनांक ....
पाठ्यक्रम कोड .... पाठ्यक्रम का नाम..
छात्र का नाम .... पिता का नाम...
स्कॉलर संख्या ....
पत्र व्यवहार का पता
....
....
अध्ययन केन्द्र का नाम ....
क्षेत्रीय केन्द्र का नाम ....

fgUnh x|
ikB;Øe dksM % bZ-,p-Mh-&01

पूर्णांक : 30

fVIi.kh & सभी प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का है। प्रश्न संख्या 1 व 2 में आन्तरिक चयन की सुविधा है। अधिक अंक प्राप्त दो प्रश्नों के प्राप्तांक सत्रांत परीक्षा के प्राप्तांकों में जोड़े जाएँगे।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 500 शब्दों में दीजिए –

(1) जीवनी और आत्मकथा में समानताएँ बताकर, अन्तर स्पष्ट कीजिये।

अथवा

कहानी के तत्वों पर प्रकाश डालिये।

(2) लहनासिंह की चारित्रिक विशेषताएँ बताइये।

अथवा

'निर्मला' उपन्यास में समाज की किन–किन समस्याओं को उठाया गया है ? संक्षेप में उत्तर दीजिए।

(3) किन्हीं तीन अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। प्रत्येक के 5 अंक निर्धारित है।

(i) "स्त्री स्वभाव से ही लज्जाशील होती है। जोड़ के पति पाकर वह परपुरूष से हँसी दिल्लगी कर ले ; उसका मन शुद्ध रहता है। बेजोड़ विवाह हो जाने से वह चाहे किसी की ओर आँख उठाकर न देखे, पर उसका चित्त दुःखी रहता है।"

(निर्मला)

(ii) दोनों दोस्तों ने कमर से तलवारें निकाल ली। नवाणी जमाना था ; सभी तलवार, पेशकब्ज, कटार वगैरह बाँधते थे। दोनों विलासी थे, कायर न थे। उनमें राजनीतिक भावों का अधःपतन हो गया था – बादशाह के लिए, बादशाहत के लिए क्यों मरें ; पर व्यक्तिगत वीरता का अभाव न था। दोनों ने पैंतरे बदले, तलवारें चमकीं, छपाछप की आवाजें आयी दोनों जख्म खाकर गिरे, और दोनों वहीं तड़फ–तड़फ कर जानें दे दी। अपने बादशाह के लिए जिनकी आँखों में एक बूँद आँसू न निकला, उन दोनों प्राणियों ने शतरंज के वजीर की रक्षा में प्राण दे दिये।

(शतरंज के खिलाड़ी)

(iii) आत्म चिंतन में जो ऐश्वर्य है, क्षत्रिय ! वह इन तुच्छ भड़कीले वैभवों में नहीं है – वैभव जो अपने साथ मृत्यु लिए हुए हैं। शत्रु के गुप्तचरों और विषकन्याओं पर विश्वास करने वाला सम्राट एक ही पदक्षेप में मृत्यु का आलिंगन उसी भाँति करता है जैसे एक ही उछाल में पतंगा दीपशिखा के भीतर जलती हुई मृत्यु में भस्म हो जाता है। तुम भी भरम हो जाओ और अपने वैभव का जला हुआ काला धुआँ छोड़ जाओ !

(कौमुंदी महोत्सव)

(iv) राजनीति ? राजनीति ही मनुष्यों के लिये सब कुछ नहीं है। राजनीति के पीछे नीति से

भी हाथ न धो बैठो, जिसका विश्व मानव के साथ व्यापक सम्बन्ध है। राजनीति की साध ारण छलनाओं से सफलता प्राप्त करके क्षण भर के लिये तुम अपने को चतुर समझ लेने की भूल कर सकते हो। परन्तु इस भीषण संसार में एक प्रेम करने वाले हृदय को खो देना, सबसे बड़ी हानि है।

(ध्रुवस्वामिनी)

(v) "समूह का नाम संगति नहीं है। जहाँ प्रेम नहीं है, वहाँ लोगों की आकृतियाँ चित्रवत् है और उनकी बातचीत झाँझ की झनकार है।" पहचान करने में हमें कुछ स्वार्थ से काम लेना चाहिए। जान–पहचान के लोग ऐसे हों जिनसे हम कुछ लाभ उठा सकते हों, जो हमारे जीवन को उत्तम और आनन्दमय करने में कुछ सहायता दे सकते हों।

(मित्रता)

(vi) सफलता और चरितार्थता में अन्तर है। मनुष्य मारणास्त्रों के संचयन से, बाह्य उपकरणों के बाहुल्य से उस वस्तु को पा भी सकता है, जिसे उसने बड़े आडम्बर के साथ सफलता नाम दे रखा है। परन्तु मनुष्य की चरितार्थता प्रेम में है, मैत्री में है, त्याग में है, अपने को सबके मंगल के लिए निःशेष भाव से दे देने में है।

(नाखून क्यों बढ़ते हैं ?)

vk/kfud fgUnh dfork
ikB;Øe dksM % ,e-,p-Mh-&02

पूर्णांक : 50

fVIi.kh & सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्न संख्या 1 व 2 में आन्तरिक चयन की सुविधा है। प्रश्न संख्या 3 में 4 लघु उत्तरात्मक प्रश्न हैं, यह प्रत्येक 5 अंकों के हैं। इनमें से आपको किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 500 शब्दों में दीजिए –

(1) मैथिलीशरण गुप्त का काव्य "राष्ट्रीय जागरण, नवजागरण और नारी चेतना का काव्य" है इसके कथन की सोदाहरण विवेचना कीजिए। (20)

अथवा

सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' के काव्य में प्रयोगशीलता की कौन–कौन सी दिशाएँ हैं ? विवेचना कीजिए।

(2) सुमित्रानन्दन पंत की भाषा एवं काव्यशैली पर विवेचन विश्लेषण कीजिए। (20)

अथवा

सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय' की कविता में आधुनिक बोध और कविता पर विचार लिखिए।

(3) 150 शब्दों में किन्हीं दो प्रश्नों पर टिप्पणी लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है। (10)

(क) शमशेर की कविता में प्रेम और सौन्दर्य।

(ख) नागार्जुन की कौन–सी कविता आपको सर्वाधिक प्रिय है और क्यों ?

(ग) "मुक्तिबोध को लम्बी, किन्तु अधूरी कविताओं का कवि कहा गया है।" क्यों ?

(घ) समाज सुधार की दृष्टि से भारतेन्दु की कविताओं के महत्व पर प्रकाश डालिए ?

miU;kl ,oa dgkuh
ikB;Øe dkM % ,e-,p-Mh-&03

पूर्णांक : 50

fVIi.kh & सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्न संख्या 1 व 2 में आन्तरिक चयन की सुविधा है। प्रश्न संख्या 3 में 4 लघु उत्तरात्मक प्रश्न हैं, यह प्रत्येक 5 अंकों के हैं। इनमें से आपको किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 500 शब्दों में दीजिए –

(1) उपन्यास 'धरती धन न अपना' "दलित जीवन की त्रासदी का दर्पण है।" इस कथन की सार्थकता पर विस्तारपूर्वक लिखिए ? (20)

अथवा

उपन्यास 'सूखा बरगद' उपन्यास में मध्यवर्गीय नारी का बदलता बिम्ब तथा रूढ़ियों व नए मूल्यों के द्वन्द्व की विवेचना कीजिए ?

(2) 'मैला आंचल' उपन्यास में आंचलिकता के विविध पहलुओं का समावेश किस प्रकार हुआ है ? विवेचना कीजिए। (20)

अथवा

'बाणभट्ट की आत्मकथा' उपन्यास में नारी पात्रों के चरित्र व उनकी भूमिका पर विचार लिखिए।

(3) किन्ही दो प्रश्नों का उत्तर लिखिए। शब्द सीमा 150 शब्द है – (10)

(क) 'कुत्ते की पूँछ' कहानी में यशपाल बाल मजदूरी की अमानवीय प्रथा को उजागर करने में सफल हुए हैं। इस कथन पर विचार व्यक्त कीजिए।

(ख) 'पुरस्कार' कहानी की प्रमुख पात्र मधूलिका के चरित्र चित्रण स्पष्ट कीजिए।

(ग) अछूत गंगी को 'ठाकुर के कुएँ' से पानी लेने का अधिकार क्यों नहीं है ? गंगी का चरित्र चित्रण कीजिए।

(घ) 'पिता' कहानी में सामाजिक यथार्थ का चित्रण किस रूप में हुआ है ? स्पष्ट कीजिए।

e/;dkyhu Hkkjrh; lkfgR;] lekt ,oa laLd`fr
ikB~;Øe dksM % bZ-,p-Mh-&04

पूर्णांक : 30

fVIi.kh & सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का है। प्रश्न संख्या 1 व 2 में आन्तरिक चयन की सुविधा है। प्रश्न संख्या 3 से 6 लघु उत्तरात्मक प्रश्न हैं, ये प्रत्येक 5 अंकों के हैं। इनमें से आपको किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देने हैं। आपके किन्हीं दो अच्छे प्रश्नों के प्राप्तांक सत्रांत परीक्षा के प्राप्तांकों में जोड़े जाएँगे।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 500 शब्दों में दीजिए –

(1) भक्ति आंदोलनकालीन परिस्थितियों का चित्रण करते हुए भक्ति काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।

अथवा

मराठी भक्ति काव्य की पृष्ठभूमि का परिचय देते हुए, मराठी भक्ति काव्य के प्रमुख संत संप्रदायों का वर्णन कीजिए।

(2) तेलुगु भक्त कवियों का संक्षेप में जीवन परिचय देते हुए उनकी काव्यगत विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

अथवा

प्रेमानंद की रचनाओं का नामोल्लेख करते हुए उनके काव्य में निहित भक्ति भावना समझाइये।

(3) 150 शब्दों की सीमा के अन्दर किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं –

(i) बलरामदास का जीवन परिचय प्रस्तुत कीजिए ?

(ii) पंजाबी भक्ति साहित्य के प्रमुख कवि व उनकी रचनाओं के नाम बताइये ?

(iii) कबीर की भक्ति भावना के प्रमुख आधारों पर प्रकाश डालिए ?

(iv) प्रेमाश्रयी सूफी काव्य धारा के प्रमुख कवि और उनकी रचनाओं के नामोल्लेख कीजिए?

(v) कृष्ण भक्ति काव्य धारा में मीरा का स्थान निर्धारित कीजिए ?

(vi) कृष्णोपासक कवियों में 'अष्टछाप' क्या है ? कवियों के नामोल्लेख कीजिए ?

fgUnh miU;kl & II
ikB;Øe dkM % ,e-,p-Mh-&15

पूर्णांक : 15

fVIi.kh & सभी तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 7.5 अंक का है। इनमें से दो अच्छे (अधिक) प्राप्तांक परीक्षा में जोड़े जायेंगे।

(1) अपने युग की प्रामाणिक अभिव्यक्ति की दृष्टि से 'झूठा सच' कहाँ तक सफल है ?

अथवा

परिवेश–चित्रण की दृष्टि से 'ज़िन्दगीनमा' का मूल्यांकन कीजिए।

(2) 'सूरज का सातवाँ घोड़ा' उपन्यास में किशोर सुलभ रोमानी दृष्टि की 'सीमा और संभावनाओं' का विवेचन कीजिए।

अथवा

'लंगड़ के माध्यम से श्रीलाल शुक्ल ने भारतीय न्याय व्यवस्था पर एक करारी चोट की है।' इस कथन को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

(3) निम्नलिखित में से तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिये। सबके अंक (.2.5) समान हैं।

(i) 'राग दरबारी' में व्यंग्य की विभिन्न छायाएँ।

(ii) 'सूरज का सातवाँ घोड़ा' – पारम्परिक और नवीन संबंध।

(iii) मोहभंग की व्यापकता और 'झूठा सच'।

(iv) अन्तर्वस्तु के संदर्भ में शीर्षक की सार्थकता।

(v) धर्मवीर भारती की नारी विषयक दृष्टि।

fgUnh Hkk"kk vkj lkfgR; dk bfrgkl
ikB;Øe dkM % ,e-,p-Mh-&06

पूर्णांक : 50

fVIi.kh & सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्न संख्या 1 व 2 में आन्तरिक चयन की सुविधा है। प्रश्न संख्या 3 में 4 लघु उत्तरात्मक प्रश्न हैं, यह प्रत्येक 5 अंकों के हैं। इनमें से आपको किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 500 शब्दों में दीजिए –

(1) रीतिकालीन काव्य की सामान्य विशेषताओं पर प्रकाश डालिये। (20)

अथवा

खड़ी बोली गद्य की विकास यात्रा को समझाइए।

(2) प्रगतिवादी काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए। (20)

अथवा

'हिन्दी आलोचना और विभिन्न युग' विषय पर सारगर्भित लेख लिखिए।

(3) 150 शब्दों की सीमा के अन्दर दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है – निम्नलिखित में से दो विषयों पर टिप्पणी लिखिए – (10)

(i) हिन्दी कहानी
(ii) भारत के भाषा परिवार
(iii) हिन्दी के बढ़ते चरण
(iv) नयी कविता

iepUn dk fo'k"k v/;;u
ikB;Øe dkM % ,e-,p-Mh-&14

पूर्णांक : 15

fVIi.kh & निम्नलिखित तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 7.5 अंक का है। इनमें से दो अच्छे (अधिक) प्राप्तांक परीक्षा में जोड़े जायेंगे।

(1) 'प्रेमचन्द शोषित समाज के मसीहा है' – इस कथन को समझाइए।

अथवा

'प्रेमाश्रम' के ज्ञान शंकर की चारित्रिक विशेषताएँ बताइए।

(2) 'रंगभूमि' की प्रमुख समस्याओं का वर्णन कीजिए।

अथवा

'गबन' के आधार पर जालपा के चरित्र की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(3) प्रेमचन्द के साहित्य का विस्तृत परिचय दीजिए।

अथवा

प्रेमचन्द के साहित्य सम्बन्धी विचारों पर प्रकाश डालिए।

fgUnh dk0;
ikB;Øe dkM % b-,p-Mh-&02

पूर्णांक : 30

fVIi.kh & सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का है। प्रश्न संख्या 1 व 2 में आन्तरिक चयन की सुविधा है। प्रश्न 3 से 6 लधु उत्तरात्मक प्रश्न है, ये प्रत्येक पाँच अंकों के हैं। इनमें से आपको किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देने हैं। आपके किन्हीं दो अच्छे प्रश्नों के प्राप्तांक सत्रान्त परीक्षा के प्राप्तांकों में जोड़े जायेंगे।

निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर 500 शब्दों में दीजिए –

(1) मीरा की भक्ति भावना पर एक सारगर्भित आलेख लिखिए।

अथवा

सूरदास के भाव पक्ष का विस्तृत वर्णन कीजिए।

(2) बिहारी काव्य के आधार पर उनकी श्रृंगार भावना का उल्लेख कीजिए।

अथवा

प्रगतिवाद की मूल संवेदना को व्यक्त करते हुए प्रगतिवादी काव्य की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

निम्नलिखित अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

(3) निसदिन बरसत नैन हमारे
सदा रहति पावस ऋतु हम पै जबतें स्याम सिधारे
दृग अंजन लागत नहिं कबहूँ डर कपोल भएकारे
कंचुकि नहिं सूखत सुनु सजनी, डर बिच बहत पनारे
सूरदास प्रभु अंबु बढ़यौ है गोकुल लेहु अबारे
कह लौ कहौं श्यामधन सुन्दर विकल होत अति भारे।

(4) पावस देखि रहीम मन कोयल साधे मौन
अब दादुर वक्ता भये हमको पूछत कौन
छिभा बड़न को चाहिए छोटन को उत्पात
का रहीम हरि को घट्यौ जो भृगु भारी लात।

(5) जल में कुंभ कुंभ में जल है, बाहरि भीतरि पानी
फूल कुंभ जल जलहि समाना यह ततकथौ गियानी
जब मैं था तब हरि नहीं, अब हरि है मैं नाहि
सब अंधियारा गिरि गया जब दीपक देख्या माँहि।

(6) ले चल मुझे भुलाना देकर मेरे नाविक धीरे–धीरे
जिस निर्जन में सागर–लहरी
अम्बर के कानों में गहरी
निश्चल प्रेम कथा कहती हो तज कोलाहल की अवनीरे।

(7) सिद्धि हेतु स्वामी गये, यह गौरव की बात
पर चोरी–चोरी गये, यही बड़ा व्याघात
सखि, वे मुझसे कह कर जाते,
कह, तो क्या वे मुझको अपने पथ–बाधा ही पाते ?

(8) छायी अंधियारी भारी सूझत नहि राह कहूँ
गरजि गरजि बादर से जवन सब डरावै
चपला सी हिन्दुन की बुद्धि वीरता भई
छिपे वीर ताराजन कहुँ न दिखावै
सुजस चंद–मंद भयो कायरता घास बढ़ी।

vk/kfud Hkkjrh; lkfgR; uotkxj.k ,o lLd'fr tkxj.k
ikB;Øe dkM % bl-,p-Mh-&05

पूर्णांक : 30

fVIi.kh & सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का है। प्रश्न संख्या 1 व 2 में आन्तरिक चयन की सुविधा है। प्रश्न 3 से 6 लधु उत्तरात्मक प्रश्न है, ये प्रत्येक पाँच अंकों के हैं। इनमें से आपको किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देने हैं। आपके किन्हीं दो अच्छे प्रश्नों के प्राप्तांक सत्रान्त परीक्षा के प्राप्तांकों में जोड़े जायेंगे।

निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर 500 शब्दों में दीजिए –

(1) राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन का विकास कैसे हुआ ? विस्तृत रूप में वर्णन कीजिए।

अथवा

बांग्ला साहित्य में वर्णित राष्ट्रीय चेतना के विभिन्न रूपों पर प्रकाश डालिए।

(2) तमिल गद्य के विकासक्रम का उल्लेख विस्तार से कीजिए।

अथवा

सिद्ध कीजिए कि बालकृष्ण शर्मा नवीन राष्ट्र–चेतना के कवि थे। उद्धरण देकर अपने कथन की पुष्टि कीजिए।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 150 शब्दों में दीजिए –

(3) पत्रकारिता के क्षेत्र में माखनलाल चतुर्वेदी के योगदान पर टिप्पणी लिखिए।

(4) 'दिनकर' के काव्य की विशेषताओं पर विचार व्यक्त कीजिए।

(5) प्रेमचन्द के साहित्य का परिचय दीजिए।

(6) 'महादेवी वर्मा की नारी चेतना' पर एक सारगर्भित लेख लिखिए।

(7) इकबाल का परिचय देते हुए उर्दू साहित्यकार के रूप में उनके योगदान को रेखांकित कीजिए।

(8) अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध की कृति प्रिय प्रवास का साहित्यिक परिचय दीजिए।

ukVd vkj vU; x| fo/kk,¡
ikB;Øe dksM % ,e-,p-Mh-&04

पूर्णांक : 50

fVIi.kh & सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्न संख्या 1 व 2 में आन्तरिक चयन की सुविधा है। प्रश्न 3 से 6 लधु उत्तरात्मक प्रश्न है, ये प्रत्येक पाँच अंकों के हैं। इनमें से आपको किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देने हैं। आपके किन्हीं दो अच्छे प्रश्नों के प्राप्तांक सत्रान्त परीक्षा के प्राप्तांकों में जोड़े जायेंगे।

निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर 500 शब्दों में दीजिए –

(1) 'स्कन्दगुप्त' चरित्र प्रधान नाटक है। इस कथन के सन्दर्भ में स्कन्द गुप्त की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। (20)

अथवा

मध्यवर्गीय जीवन के परिप्रेक्ष्य में 'आधे–अधूरे' की विवेचना कीजिए।

(2) व्यंग्य निबन्ध की विशेषताओं की दृष्टि से परसाई जी के निबन्ध 'तीसरे दर्जे का श्रद्धेय' की विवेचना कीजिए। (20)

अथवा

असंगत नाटक की विशेषताओं के सन्दर्भ में 'ताँबे के कीड़े' का विवेचन कीजिए।

(3) 150 शब्दों की सीमा के अन्दर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है।

(क) रेखाचित्र व संस्मरण में अंतर। (10)

(ख) अंधायुग और धर्मवीर भारती।

(ग) निबन्धकार शुक्ल।

(घ) आंचलिकता और रांगेय राघव।

fgUnh dkO;
ikB;Øe dkM% ,e-,p-Mh-&01

पूर्णांक : 30

fVIi.kh & निम्नलिखित तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 15 अंकों का है। इनमें से दो अच्छे (अधिक) प्राप्तांक परीक्षा में जोड़े जायेंगे। निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर 500 शब्दों में दीजिए –

(1) पृथ्वीराज रासो की प्रमाणिकता तथा अप्रमाणिकता से आप क्या समझते हैं ? विश्लेषित कीजिए।

अथवा

विद्यापति पदावली में भक्ति और श्रृंगार के संदर्भ में अपने विचार प्रकट कीजिए।

(2) कबीर के काव्य में समाज की जर्जर रूढ़ियों पर करारा प्रहार किया गया है, कबीर वाणी के सन्दर्भ में समाज चेतना का मूल्यांकन कीजिए।

अथवा

'तुलसी का काव्य समन्वय की विराट चेष्टा है', स्पष्ट कीजिए।

(3) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए। शब्द सीमा 150 शब्दों की है –

- (i) बिहारी के काव्य में भक्ति नीति और श्रृंगार की त्रिवेणी प्रवाहित होती है, स्पष्ट कीजिए।
- (ii) अष्टछाप के कवियों का नामोल्लेख करते हुए परिचय दीजिए।
- (iii) सूर काव्य की भाषा पर विचार कीजिए।
- (iv) वात्सल्य रस के सम्राट सूर की दृष्टि जहाँ तक पहुँची है, वहाँ तक अन्य किसी और की नहीं, स्पष्ट कीजिए।
- (v) मीराँ की भक्ति भावना पर विचार व्यक्त कीजिए।
- (vi) पद्माकर के काव्य की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।
- (vii) रीतिमुक्त काव्य की विशेषता बतलाते हुए घनानन्द की काव्य कला बताइये।
- (viii) 'कबीर को भाषा का डिक्टेटर कहा जाता है' उक्त कथन के आलोक में कबीर की भाषा की विशेषता बताइये।
- (ix) रीति काव्य की दृष्टि से विद्यापति का मूल्यांकन कीजिए।
- (x) रासो की भाषा पर एक लेख लिखिए।

lkfgR; fl)kUr vkj lekykspuk
ikB;Øe dkM % ,e-,p-Mh-&05

पूर्णांक : 30

fVIi.kh & निम्नलिखित तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का है। इनमें से दो अच्छे (अधिक) प्राप्तांक परीक्षा में जोड़े जायेंगे। निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर 500 शब्दों में दीजिए –

(1) रस सिद्धान्त का परिचय देते हुए साधरणीकरण की प्रक्रिया समझाइये।

अथवा

कविता क्या है ? आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के निबन्ध के आधार पर शुक्ल जी के निबन्धकार व्यक्तित्व को रेखांकित कीजिए।

(2) क्रोचे का अभिव्यंजनावाद को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

स्वच्छन्दतावाद का अर्थ स्पष्ट करते हुए उसकी प्रमुख प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।

(3) निम्नलिखित प्रश्नों में से तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए। उत्तर की शब्द सीमा लगभग 150 शब्द होनी चाहिए।

- (i) शब्द शक्ति किसे कहते हैं ? इसे समझाते हुए लक्षणा शक्ति का सोदाहरण उल्लेख करें।
- (ii) रिपोर्ताज किसे कहते हैं ?
- (iii) नाटक एवं एकांकी में क्या अन्तर है ?
- (iv) शुक्लोत्तर आलोचना की वृहत त्रयी कौन हैं ? उनके योगदान का उल्लेख कीजिए।
- (v) प्रगतिवादी आलोचना तथा आधुनिकतावादी आलोचना पर प्रकाश डालिए।
- (vi) निर्वेयक्तिकता सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए।
- (vii) रीति सिद्धान्त पर प्रकाश डालिए।
- (viii) अलंकार और अलंकार्य में क्या अंतर है ?
- (ix) काव्य में व्यंजना शक्ति पर प्रकाश डालिए ?
- (x) काव्य–बिम्ब और सपाट बयानी निबन्ध के माध्यम से नामवर सिंह क्या कहना चाहते हैं? मीमांसा कीजिए।
- (xi) उत्तर आधुनिकतावाद एवं आधुनिकतावाद में क्या अन्तर है ?

Hkk"kk & foKku vkj fgUnh Hkk"kk
ikB;Øe dkM % ,e-,p-Mh-&07

पूर्णांक : 15

fVIi.kh & सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 7.5 अंक का है। इनमें से दो अच्छे (अधिक) प्राप्तांक परीक्षा में जोड़े जाएंगे। प्रथम दो प्रश्नों के उत्तरों की शब्द सीमा 500 शब्द है।

(1) भारत में हिन्दी की स्थिति पर एक लेख लिखिए।

अथवा

ध्वनि विज्ञान क्या है ? मीमांसा कीजिए।

(2) भाषा संरचना में वाक्य विश्लेषण के विभिन्न स्तरों को समझाइये ?

अथवा

अनुवाद के प्रमुख प्रकारों की चर्चा करते हुए शब्दानुवाद, भावानुवाद तथा छायानुवाद के अंतर को स्पष्ट कीजिए।

(3) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (शब्द सीमा 150 शब्द) प्रत्येक प्रश्न 2.5 अंक का होगा।

(i) अर्थ विज्ञान क्या है। स्पष्ट कीजिए ?

(ii) शैली विज्ञान को स्पष्ट कीजिए ?

(iii) हिन्दी भाषी क्षेत्र कौन से हैं ? अहिन्दी भाषी क्षेत्र में हिन्दी की स्थिति पर विचार व्यक्त कीजिए ?

(iv) ध्वनि परिवर्तन की कौन–सी दिशाएँ हैं ?

(v) कोश कितने प्रकार के होते हैं ? विस्तार से समझाइये।

(vi) प्रोक्ति विश्लेषण में समाज का महत्त्व बताइये।

(vii) हिन्दी की बोलियाँ कौन–सी है ?

(viii) भाषा और बोली का सम्बन्ध स्पष्ट कीजिए ?

(ix) अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ और कारण लिखिए ?

(x) संचार और सम्प्रेषण का अंतः सम्बन्ध स्पष्ट कीजिए।

miU;kl %Lo:i vkSj fodkl
ikB;Øe dksM % ,e-,p-Mh-&13

पूर्णांक : 15

fVIi.kh & निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 7.5 अंक का है। इनमें से दो अच्छे (अधिक) प्राप्तांक परीक्षा में जोड़े जायेंगे। प्रथम और द्वितीय प्रश्नों के उत्तर की शब्द सीमा 500 शब्द होगी।

(1) उपन्यास, जीवनी और आत्मकथा किस तरह एक दूसरे को प्रभावित करते हैं, उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

अथवा

उपन्यासों की विभिन्न शैलियों का उल्लेख करते हुए उपन्यास का उल्लेख कीजिए।

(2) उपन्यास रचना के सन्दर्भ में आधुनिकतावाद और यथार्थवाद का अंतर स्पष्ट कीजिए।

अथवा

दलित और स्त्री उत्थान के सन्दर्भ में स्वातंत्र्योत्तर भारतीय उपन्यास साहित्य का मूल्यांकन कीजिए।

(3) भारतीय उपन्यासों में आंचलिकता की अभिव्यक्ति का महत्व स्पष्ट करते हुए आंचलिक उपन्यासकारों का नामोल्लेख कीजिए।

अथवा

(क) कृषि जीवन और भारतीय उपन्यास

(ख) नवजागरण और भारतीय उपन्यास

(ग) मनोवैज्ञानिक उपन्यास

fgUnh miU;kl
ikB;Øe dkM % ,e-,p-Mh-&16

पूर्णांक : 15

fVIi.kh & निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 7.5 अंक का है। इनमें से दो अच्छे (अधिक) प्राप्तांक परीक्षा में जोड़े जायेंगे। प्रथम और द्वितीय प्रश्नों के उत्तर की शब्द सीमा 500 शब्द होगी।

(1) 'चेम्मीन' उपन्यास का उद्देश्य स्पष्ट करते हुए नारी पात्रों पर प्रकाश डालिए।

अथवा

चन्द्री की चारित्रिक विशेषताओं पर चर्चा कीजिए।

(2) 'मानवीनी भवाई' एक उत्तम कथाकृति है, इस कथन के आलोक में उदाहरण सहित प्रकाश डालिए।

अथवा

'जंगल के दावेदार' सामाजिक चेतना की दृष्टि से एक सशक्त उपन्यास है, इस कथन की तर्कसंगत विवेचना कीजिए।

(3) निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर टिप्पणी लिखिए। शब्दों की सीमा 150 शब्द होगी।

(अ) बंकिम, रवीन्द्र तथा शरत के उपन्यास

(ब) पन्नालाल पटेल के समकालीन सर्जक

(स) महाश्वेता देवी का कृतित्व

(द) पन्नालाल पटेल की गाँधीवादी विचारधारा

fgUnh lkfgR; dk bfrgkl ,oa lkfgR; ifjp;
ikB;Øe dksM % bl-,p-Mh-&03

पूर्णांक : 30

fVIi.kh & सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का है। प्रश्न संख्या 1 व 2 में आन्तरिक चयन की सुविधा है। प्रश्न 3 से 6 लधु उत्तरात्मक प्रश्न है, ये प्रत्येक 5 अंकों के हैं। इनमें से आपको किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देने हैं। आपके किन्हीं दो अच्छे प्रश्नों के प्राप्तांक सत्रान्त परीक्षा के प्राप्तांकों में जोड़े जायेंगे।

निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर 500 शब्दों में दीजिए –

(1) आदिकालीन साहित्य की प्रवृत्तियों की सोदाहरण विवेचना कीजिए।

अथवा

भक्तिकाल के सगुण भक्ति काव्य धारा की प्रवृत्तियों को उदाहरण देते हुए लिखिए।

(2) रीतिकाल की विभिन्न काव्यधाराओं का उल्लेख करते हुए रीतिमुक्त काव्य की विशेषताओं को सोदाहरण लिखिए।

अथवा

प्रगतिवादी काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियों की विवेचना कीजिए।

(3) 150 शब्दों की सीमा के अन्दर किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी के अंक समान हैं।

(i) रीतिबद्ध तथा रीतिमुक्त काव्यधारा में उदाहरण देते हुए अन्तर स्पष्ट करें ?

(ii) निर्गुण भक्तिकाल की काव्यधाराओं का उल्लेख करते हुए निर्गुण संत काव्य के भाव पक्ष की विवेचना करें ?

(iii) छायावाद से क्या तात्पर्य है ? छायावाद की प्रमुख प्रवृत्तियों का संक्षेप में वर्णन कीजिए?

(iv) किन कारणों से भारतेन्दु युग पूर्व के कवि एक सीमित दायरे में कविता करते थे ? निज भाषा के प्रति भारतेन्दु के विचार लिखिए।

(v) निम्न रिक्त स्थानों में उपयुक्त शब्द भरिए –

(1) जीवनी किसी .... की लिखी जाती है।

(2) रामविलास शर्मा लिखित .... जीवनी औपन्यासिक शैली के कारण रोचक बन पड़ी है।

(3) आवारा मसीहा जीवनी के लेखक .... हैं।

(4) आखिरी चट्टान तक के लेखक .... हैं।

(5) आत्मकथा .... लिखी जाती है।

(v) रस किसे कहते हैं ? रस के अंगों का उल्लेख करते हुए काव्य में रस का महत्व स्पष्ट कीजिए।

fgUnh Hkk"kk dk bfrgkl vkj orZeku
ikB;Øe dksM % b/-,p-Mh-&06

पूर्णांक : 30

fVIi.kh & सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का है। प्रश्न संख्या 1 व 2 में आन्तरिक चयन की सुविधा है। प्रश्न 3 से 6 लधु उत्तरात्मक प्रश्न है, ये प्रत्येक पाँच अंकों के हैं। इनमें से आपको किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देने हैं। आपके किन्हीं दो अच्छे प्रश्नों के प्राप्तांक सत्रान्त परीक्षा के प्राप्तांकों में जोड़े जायेंगे।

निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर 500 शब्दों में दीजिए –

(1) हिन्दी भाषा के विकास का विवेचन 'आदिकाल', मध्यकाल तथा आधुनिक काल के संदर्भ में कीजिए।

अथवा

हिन्दी भाषा की प्रमुख बोलियाँ कौन–कौन–सी हैं ? इनका विवेचन कीजिए ?

(2) सम्पर्क भाषा हिन्दी के विविध क्षेत्र कौन–कौन से हैं ? विवेचना कीजिए।

अथवा

हिन्दी भाषा के स्वरूप और इसके महत्व पर विवेचना कीजिए।

(3) 150 शब्दों की सीमा में किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी के अंक समान हैं।

(i) सम्पर्क भाषा हिन्दी के विकास में अनुवाद के महत्व पर प्रकाश डालिए।

(ii) अपभ्रंश भाषा की विशेषताएँ लिखिए।

(iii) वैदिक संस्कृत तथा लौकिक संस्कृत में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

(iv) राजभाषा, सम्पर्क भाषा व राष्ट्रभाषा से आप क्या समझते हैं ? हिन्दी देश को जोड़ने की कड़ी है ? इस पंक्ति का आशय भी स्पष्ट करें।

(v) कक्ष मुद्रण से आप क्या समझते हैं ? कम्प्यूटर इसमें कैसे सहायक हो सकता है ?

(vi) भाषा विकास से क्या तात्पर्य है ? भाषा विकास के लिए भाषा नियोजन क्यों आवश्यक है ?